



The Sameeksha Global: A Multidisciplinary
Journal in Hindi

<https://www.eurekajournals.com/Sameeksha.html>

ISSN: 2581-401X

Heart Emperor of all Indians and Inspiration of youth, -Netaji Subhas Chandra Bose

समस्त भारतीयों के हृदयसमाट और युवाओं के प्रेरणास्तोत्र,-

नेताजी सुभाष चंद्र बोस

Dr. Ajay Krishna Tiwari¹

¹Academician, Economist, and Ph.D. Guide.

Abstract

Netaji Subhas Chandra Bose. On hearing this name, a strange tremor starts in the mind. He is the only politician whose birth record is known but whose death is unknown. He is immortal in the hearts of every Indian even today. Some quotes from this great man still inspire every countryman.

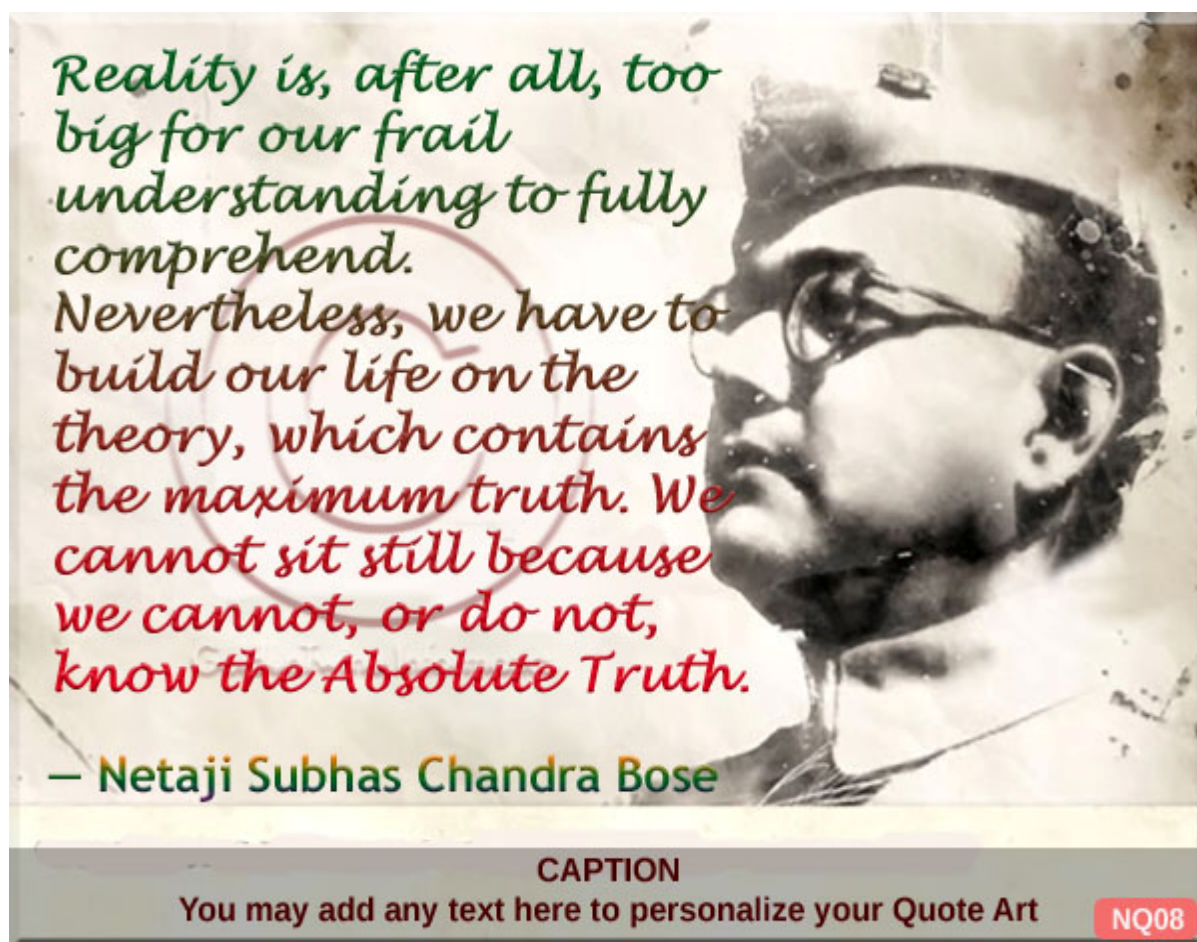
नेताजी सुभाष चंद्र बोस। यह नाम सुनते ही मन में एक अजीब सी सिहरन होने लगती है। वे एकमात्र राजनेता हैं जिनका जन्म रिकॉर्ड ज्ञात है लेकिन जिनकी मृत्यु अज्ञात है। वह आज भी हर भारतीय के दिलों में अमर हैं। इस महापुरुष के कुछ उद्धरण आज भी हर देशवासी को प्रेरणा देते हैं।



Introduction

"You give me blood, I will give you freedom" Netaji Subhas Chandra Bose's words as heard by all, gave some more messages to the countrymen which guide the youth even today. This inspires the whole country. Netaji Subhas Chandra Bose was the 'leader of leaders. A patriot as talented and dedicated as him has rarely been born in the history of India's freedom struggle. This article tries to highlight some of the lesser-known aspects of his political activities within the country just before his escape i.e. on the eve of World War II.

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शब्दों को सभी ने सुना, देशवासियों को कुछ और संदेश दिए जो आज भी युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं। इससे पूरे देश को प्रेरणा मिलती है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस 'नेताओं के नेता' थे। उनके जैसा प्रतिभाशाली और समर्पित देशभक्त भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में शायद ही कभी पैदा हुआ हो। यह लेख उनके पलायन से ठीक पहले यानी द्वितीय विश्व युद्ध की पूर्व संध्या पर देश के भीतर उनकी राजनीतिक गतिविधियों के कुछ कम ज्ञात पहलुओं को उजागर करने की कोशिश करता है।



A special message from Netaji Subhas Chandra Bose, this great personality, the heart of all Indians and the inspiration of the youth, for the countrymen - Amrittulya live didactic teaching –

देशवासियों के लिए इस महान शख्सियत समस्त भारतीयों के हृदयसम्राट और युवाओं के प्रेरणास्तोत्र,
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस का एक खास संदेश - अमृततुल्य साक्षात् उपदेशात्मक शिक्षण –



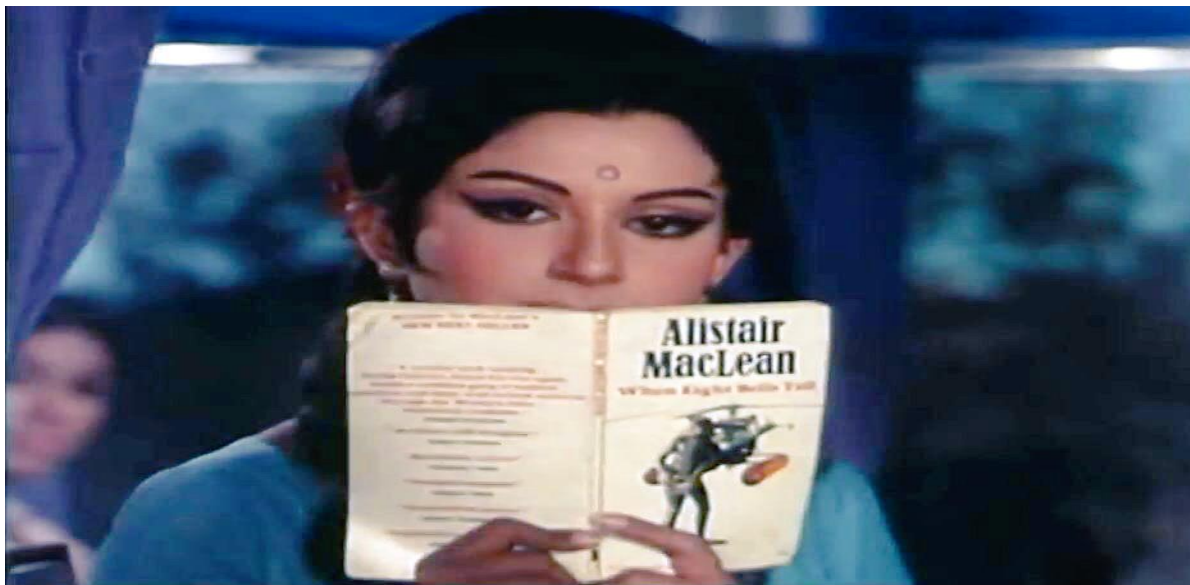
"Man is alive as long as he is careless."

"मनुष्य तब तक जीवित है जब तक वह लापरवाह है।"



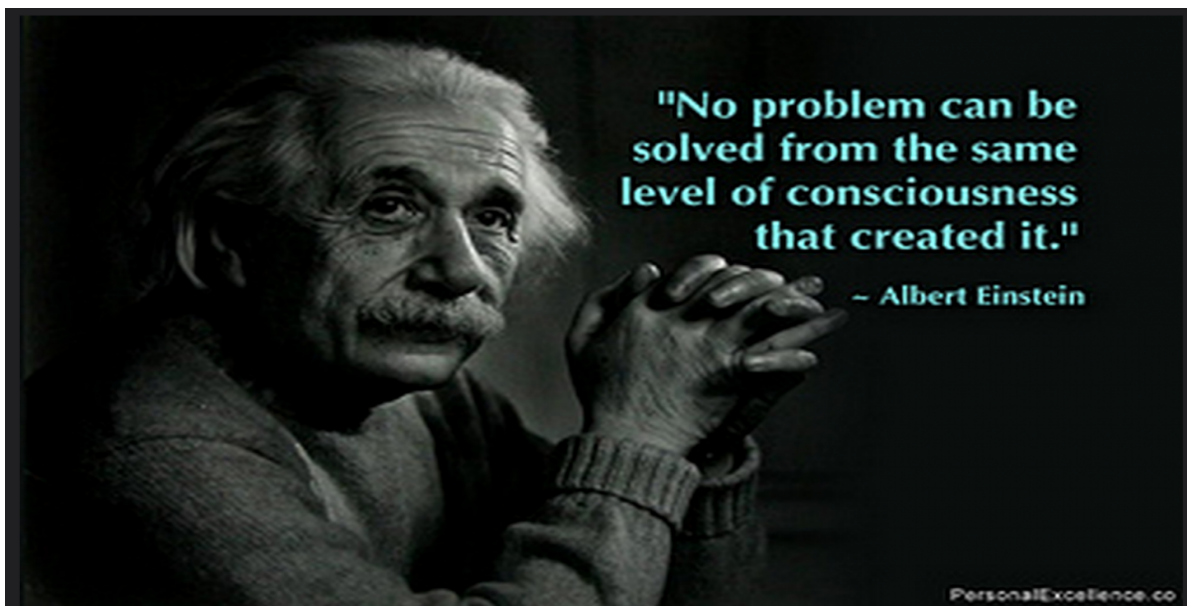
"Such a simple soul of a Bengali because she is born on soft soil".

"एक बंगाली की इतनी सरल आत्मा क्योंकि वह नरम मिट्टी पर पैदा होती है।"



“Our biggest national problems are poverty, illiteracy, disease, and scientific productivity. Problems that can be solved only by social thinking.”

“हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय समस्याएं गरीबी, अशिक्षा, बीमारी, वैज्ञानिक उत्पादकता हैं। समस्याएँ जो हल होंगी, सामाजिक सोच से ही।”



“Everything in the world is transitory. Only one thing does not perish, whether it is a substance, an idea, or an ideal.

“संसार में सब कुछ क्षणभंगुर है। केवल एक चीज नहीं टूटती, चाहे वह पदार्थ हो, विचार हो या आदर्श हो।



"With nature and without education, life is like an exile in the desert, losing all enthusiasm and inspiration."

"प्रकृति के साथ और शिक्षा के बिना, जीवन रेगिस्तान में निर्वासन की तरह है, सभी उत्साह और प्रेरणा खो देता है।"



"Hope is the progress in life by keeping itself away from fear, doubt, and attempts to solve it."

"आशा है कि जीवन में प्रगति स्वयं को भय, शंकाओं और उसके समाधान के प्रयासों से दूर रखती है।"



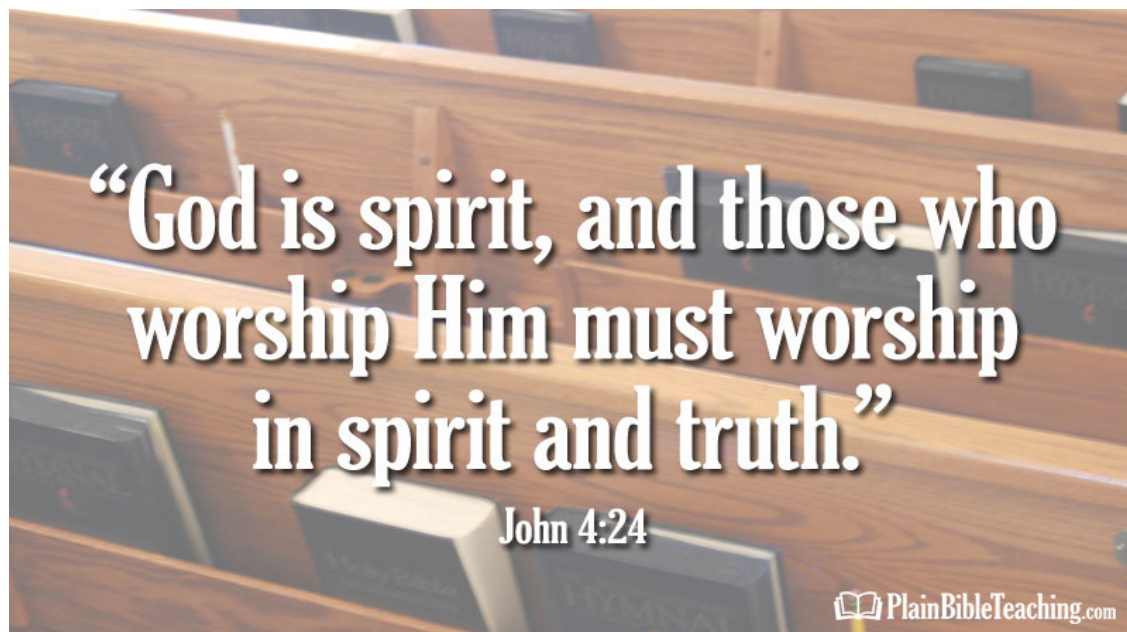
"India is calling. Blood is called blood. Stand up, we don't have time to waste. Take up arms. If God wills, we will die a martyr's death."

"भारत बुला रहा है। खून को खून कहते हैं। खड़े हो जाओ हमारे पास बर्बाद करने का समय नहीं है। हथियार उठाओ!..भगवान ने चाहा तो हम शहीद की मौत मरेंगे।"

A commemorative banner for Subhas Chandra Bose. The banner has a purple and pink background. On the left is a portrait of a man in a blue vest. In the center, the text reads: "स्वतंत्रता के महानायक सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर शत शत नमन". Below this is a quote: "याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है" - सुभाष चंद्र बोस. On the right is a bust of Subhas Chandra Bose wearing a cap and glasses, with red petals at its base. The banner includes the N.P.P. logo, a QR code, and contact information for Shiv Pratap Pawar: "शिव प्रताप पवार राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रवादी शक्ति पार्टी", "अधिक जानकारी के लिए 'QR' स्कैन करें", "8587906007 9911106869", "www.shivpratappawar.in", "shiv pratap singh pawar", "shiv pratap singh pawar", and "@spinghpawar".

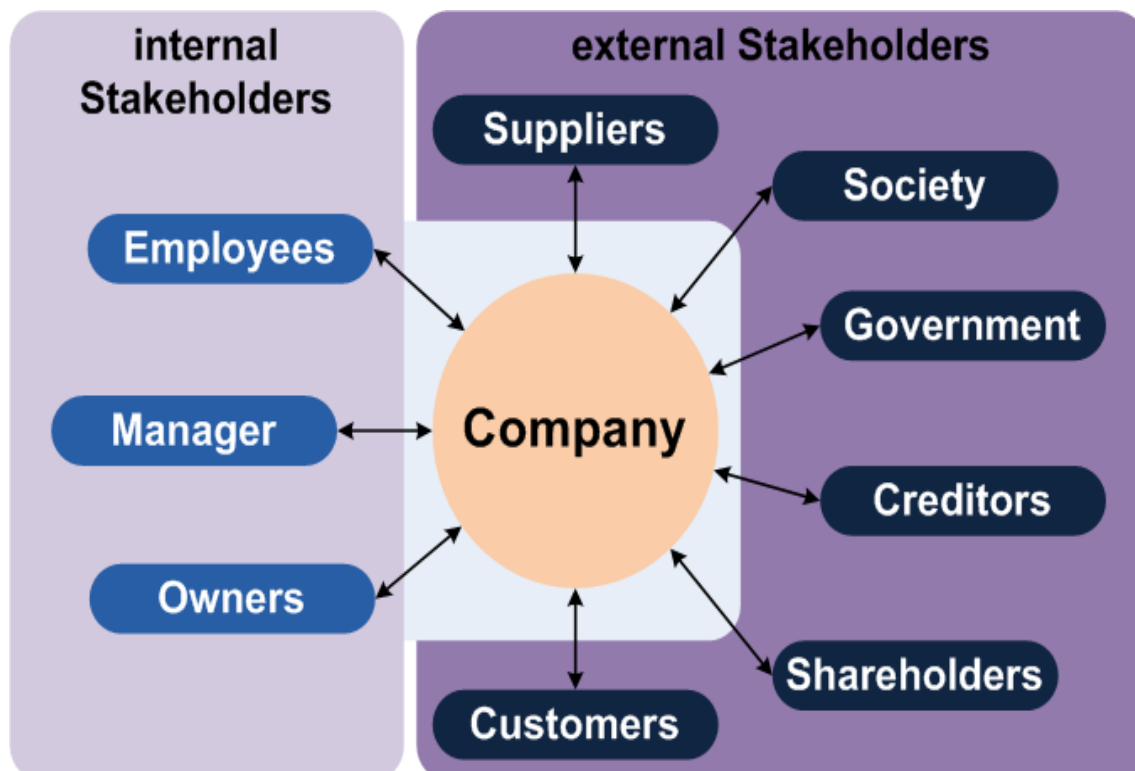
"Reality is difficult to understand. But life must be led on the path of truth. Truth must be accepted."

"वास्तविकता को समझना कठिन है। लेकिन जीवन को सच्चाई के रास्ते पर आगे बढ़ाना चाहिए। सच को स्वीकार करना चाहिए।"



“Victory or freedom cannot be bought by people, money, and external ostentation. We must have the spirit, which will encourage us to take bold steps.”

"विजय या स्वतंत्रता को लोगों, धन, बाहरी आडंबर से नहीं खरीदा जा सकता है। हमारे पास आत्मबल होना चाहिए, जो हमें साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।"



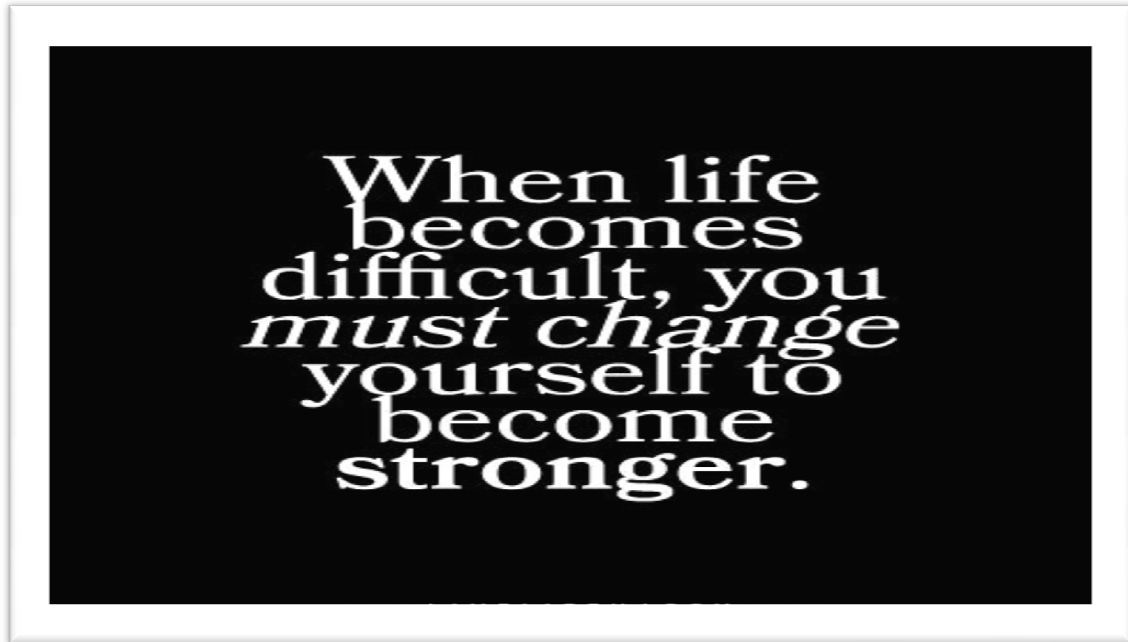
"No man can be a liar to the world if he is true to himself."

"कोई भी व्यक्ति दुनिया के लिए झूठा नहीं हो सकता यदि वह स्वयं के प्रति सच्चा है।"



"If there is no struggle in life, no risk, then saving life becomes very dull."

"जीवन में संघर्ष न हो, जोखिम न हो, तो जीवन बचाना बहु तफीका पड़ जाता है।"



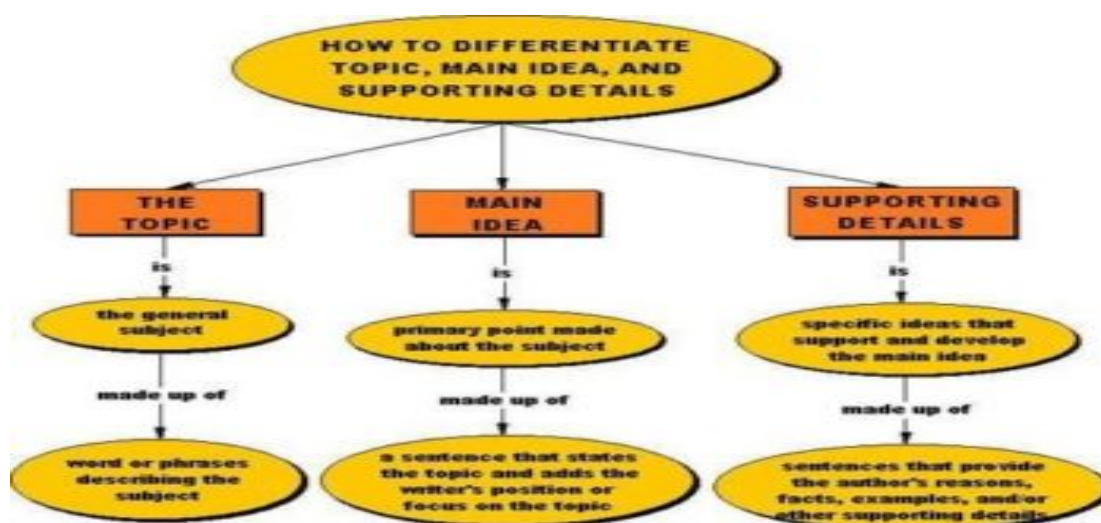
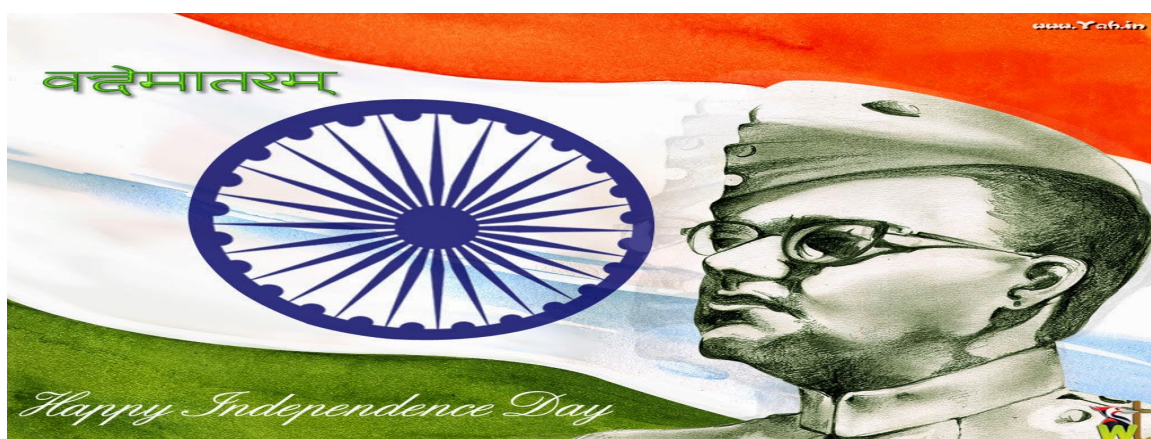
"Freedom is not given, it is taken away."

"स्वतंत्रता दी नहीं जाती, छीन ली जाती है।"



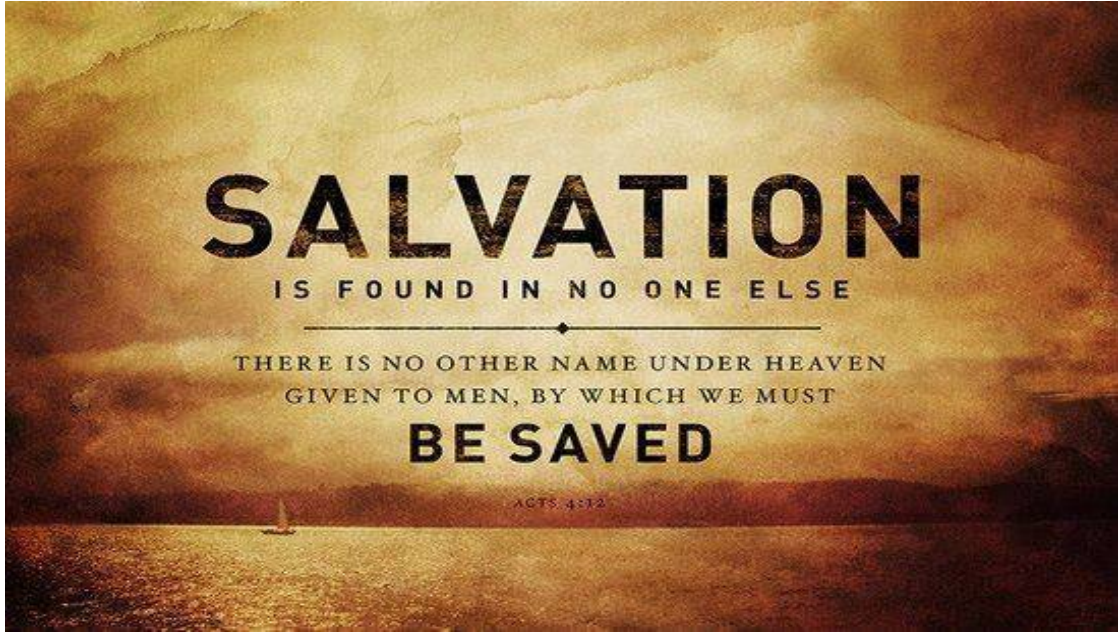
"One may die for an idea. But the idea does not die. After the death of one, that idea spreads to thousands.

"कोई भी विचार के लिए मर सकता है। लेकिन वह विचार मरता नहीं है। एक की मौत के बाद वह सोच हजारों में फैल जाती है।



"No real change in history has ever been achieved through dialogue alone."

"केवल बातचीत के माध्यम से इतिहास में कोई वास्तविक परिवर्तन हासिल नहीं किया गया है।"



"Remember that the greatest crime is to compromise with injustice."

"याद रखें कि सबसे बड़ा अपराध अन्याय के साथ समझौता करना है।"





नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अमृततुल्य साक्षात् उपदेशात्मक शिक्षण

Netaji Subhas Chandra Bose's nectar-like instructional teaching

India has been giving the message of tolerance, peace, and solidarity to the world for centuries. India is a country of harmony. The spirit that India has nurtured over the centuries is the spirit of co-existence – to accommodate opposing religions in its own home and develop its own dealings with foreign religions and accept the egoistic challenges of others as its own. Reduce tolerably. The major religions of India—Hinduism, Jainism, Buddhism, Islam, Sikhism, and Christianity—have co-existed in harmony in this Baharat shrine for centuries.

भारत सदियों से दुनिया को सहिष्णुता, शांति और एकजुटता का संदेश देता आ रहा है। भारत समरसता का देश है। सदियों से भारत ने जिस भावना का पोषण किया है वह सह-अस्तित्व की भावना है - विरोधी धर्मों को अपने घर में समायोजित करना और विदेशी धर्मों के साथ अपने व्यवहार को विकसित करना और दूसरों की अहंकारपूर्ण चुनौतियों को अपना मानना। यथोचित रूप से कम करें। भारत के प्रमुख धर्म-हिंदू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, इस्लाम, सिख धर्म और ईसाई धर्म सदियों से इस बहार तीर्थ में सद्भाव में सह-अस्तित्व में हैं।

Conclusion

Sometimes communal co-existence has been disrupted, sometimes conflicts have escalated and as a result one day the unexpected partition of the country has to be accepted. However, it is true that India's history speaks much more about harmony, togetherness, and reciprocity than about conflicts. If we trace the history of India from ancient times, we find the presence of bright aspects of understanding and harmony at every level of material life. The philosophers of India have repeatedly expressed this word of tolerance in their philosophy. The same thing has come to the fore in the mind and mentality of the common people. But just like there is darkness under the feet, similarly, caste, high-low distinction, gender

discrimination, and communalism are still present in the soil of India, contrary to Indian thinking. All these are major hindrances in the path of development of India. But who listens to whom! As a national leader, Netaji Subhas Chandra Bose fought against discrimination and unrest throughout his life.

कभी साम्प्रदायिक सह-अस्तित्व को बाधित किया गया है, कभी-कभी संघर्षों को बढ़ाया गया है और परिणामस्वरूप एक दिन देश के अप्रत्याशित विभाजन को स्वीकार करना पड़ा है। हालाँकि, यह सच है कि भारत का इतिहास संघर्षों की तुलना में सद्भाव, एकजुटता और आपसी आदान-प्रदान के बारे में बहुत कुछ कहता है। यदि हम प्राचीन काल से भारत के इतिहास का पता लगाते हैं, तो हम भौतिक जीवन के हर स्तर पर समझ और सामंजस्य के उज्ज्वल पहलुओं की उपस्थिति पाते हैं। भारत के दार्शनिकों ने अपने दर्शन में सहिष्णुता के इस शब्द को बार-बार व्यक्त किया है। आम लोगों के मन और मानसिकता में भी यही बात सामने आई है। लेकिन जैसे पांव के नीचे अंधेरा है, वैसे ही भारतीय चिंतन के विपरीत जाति, ऊंच-नीच का भेद, लैंगिक भेदभाव और साम्प्रदायिकता आज भी भारत की मिट्टी में विद्यमान है। ये सभी भारत के विकास के मार्ग में प्रमुख बाधाएँ हैं। लेकिन कौन किसकी सुनता है! एक राष्ट्रीय नेता के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जीवन भर भेदभाव और अशांति के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

References

- Ayer, S.A., Story of the I.N.A., National Book, Trust, New Delhi, 1972.
- Ayer, S.A., Unto Him a Witness, Thacker & Co. Bombay, 1951.
- Banerjee, Sir Surrender, a Nation in Making, Calcutta, 1925.
- Bose, Sisal Kumar, ed., A Beacon across Asia, A Biography of Subhas Chandra Bose, Orient Longmans, New Delhi, 1973.
- Bose, N.K., Studies in Gandhi's, Nubian Publishing House, Ahmedabad, 1972.
- Bose, Subhas Chandra, Netaji's Collected Works, Void (An Indian Pilgrim and Letters 1912-1921), Netaji Research Bureau, Calcutta, 1980.
- Bose, Subhas Chandra, Netaji's Collected Works Vol.II (The Indian Struggle 1920-42), Netaji Research Bureau, Calcutta, 1981.
- Bose, Subhas Chandra, Netaji's Collected Works Vol.VIII: Articles, Speeches, and Statements 1933-1937, Ed.
- Sisal Kumar Bose and Seagate Bose, Netaji Research Bureau, Calcutta, 1994.
- Bose, Subhas Chandra, Netaji's Collected Works Vol.IX: Congress President's, Speeches, and Articles and Letters, January 1938 - May 1939 ed. Sisal Kumar Bose and Seagate Bose, Netaji Research Bureau, Calcutta, 1995.
- Bose, Subhas Chandra, Fundamental Questions of Indian Revolution, Netaji Research Bureau, Calcutta, 1970.

Bose Subhas Chandra, Crossroads, The work of Subhas Chandra Bose, 1938-1940, Netaji Research Bureau, Calcutta, 1981.

The Essential Writings of Netaji Subhas Chandra Bose, Ed. Sisal Kumar Bose and Seagate Boise, Netaji Research Bureau, Calcutta, 1997.

Selected Speeches of Subhas Chandra Bose, E.Ds. Ayer, Publication Division, Government of India, New Delhi, 1983.

Corer, Gerald, H., the War of the Springing Tigers, Jairo Publishing House, Bombay, 1979.

Chandra, Bedpan, Modern India, N.C.E.R.T., 1984.

Choudhury, Neman Nag, Subhas Chandra and Socialism, Book land Private Ltd., Calcutta, 1965.